जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 17 संख्याः 204 प्रभात चूरू, शुक्रवार, 21 नवम्बर, 2025 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

प. बंगाल में वामपंथी सरकार के 1970 के दिनों से ही वोटर लिस्ट में हेराफेरी चुनाव प्रक्रिया का अंग बन चुकी है

ममता बनर्जी ने नंदीग्राम में कार फैक्ट्री के लिए भूमि अधिग्रहण को मुद्दा बनाकर वोटर लिस्ट की हेराफेरी की स्थापित व्यवस्था को बदल दिया था

- अवैध बांग्लादेशियों के खिलाफ ममता बनर्जी ने लोकसभा में कई बार हल्ला किया था, पर, अब यही बांग्लादेशी उनकी वोटों की हेराफेरी के मुख्य आधार हैं।
- ममता बनर्जी के बाहुबली, जिनका चित्रण सोशल मीडिया पर बहुत विस्तार से देखा जा सकता है, इस बात को सुनिश्चित करते हैं कि विपक्ष को कोई मतदान न कर सके।
- इन बाहुबलियों को पूर्ण प्रशासनिक सहयोग मिलता है, इसीलिए ममता बनर्जी, बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया पूरी न हो सके, इसके लिए कुछ भी करना पड़े, करेंगी।
- एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने की संभावना से ममता बनर्जी और उनकी पार्टी बेचैन होती जा रही है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। सारी ज़िंदगी एक मज़बूत और आक्रामक राजनीतिक लड़ाकू रही ममता बनर्जी इस बार खुद को सम्भवतः कुछ मुश्किल स्थिति में महसूस कर रही हैं।

मतदाता सूची की जो गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया चल रही है, वह ममता बनर्जी की जीत की रणनीति को सीधे चुनौती दे रही है। उनके वोट बैंक के कई बड़े हिस्से अब उजागर होने और हटाए जाने के खतरे में हैं।

चुनाव परिणामों पर एसआईआर का संभावित असर देखते हुए, ममता बनर्जी अब पूरी ताकत से इस पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ आवाज़ उठा रही हैं और किसी तरह इसे रोकने के तरीके खोज रही हैं। लेकिन इसके लिये अब काफी देर हो चुकी है, क्योंकि एसआईआर प्रक्रिया गति पकड चुकी है और काफी प्रभावी तरीके से चल रही है।

पश्चिम बंगाल की मतदाता सूचियों में गड़बड़ियां 1970 के दशक के मध्य से सदैव ही होती रही हैं, जब से लैफ्ट फ्रंट ने बंगाल में चुनावी प्रक्रिया पर दबदबा बनाया था। ममता बनर्जी ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमारी आवाज़ बंद नहीं होगी'

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। जम्मू और कश्मीर पुलिस की स्टेट इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एसआईए.) ने आज दावा किया कि जम्मू में कश्मीर टाइम्स के दफ़्तर पर मारे गये छापे के दौरान एके-47 राइफ़लें और अन्य हथियार व गोलाबारूद बरामद किए गए, जबकि अख़बार के मालिकों ने इन आरोपों की निन्दा करते हुये इन्हें "डराने, बदनाम करने और अंततः चुप कराने की कोशिश" बताया।

अधिकारियों ने कहा कि अखबार और उसके संचालकों के खिलाफ दर्ज हुये एक केस के बाद, एसआईए की टीम ने अख़बार के दफ़्तर और कंप्यूटरों की

- कश्मीर टाइम्स ने समाचार पत्र के कार्यालय से हथियार बरामद होने के आरोप को बेबुनियाद बताया।

पूरी तलाशी ली। अधिकारियों ने कहा कि छापे में एजेंसी ने एके राइफ़लों के कारतूस, कुछ पिस्तौल के राउंड और हैंड ग्रेनेड के पिन सहित, इसी प्रकार की कई अन्य चीजें ज़ब्त कीं। उन्होंने कहा कि प्रकाशन के संचालकों से पूछताछ की जा सकती है।

कश्मीर टाइम्स प्रबंधन ने अखबार के जम्मू दफ़्तर पर छापे की कडी आलोचना की और राज्य-विरोधी गतिविधियों के आरोपों को एक स्वतंत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में आजमाये गये फार्मूले को यू.पी. में दोहराने की तैयारी में है भाजपा

यू.पी. के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो स्वयं कुर्मी हैं, को बिहार में 25 सीटों पर कुर्मी मतदाता का मन व सोच जानने के लिए छोड़ा गया था

- यू.पी. में कुर्मी जनसंख्या बिहार से दोगुनी है, पर, कुर्मी और ईबीसी सपा का वोट बैंक रहे हैं।
- भाजपा इस वोट बैंक को अपने पक्ष में जोड़ने के लिए कुर्मी/ईबीसी मुख्यमंत्री बनाने का सोच रही है।
- वैसे भी कहा जाता है कि अमित शाह व मोदी पूर्णतः खुश नहीं हैं, योगी आदित्यानाथ के काम करने के तरीके से।
- पंद्रह महीने बाद यू.पी. में भी विधानसभा चुनाव होंगे, पर, क्या आसानी से बिहार का सोशल इंजीनियरिंग का फार्मूला यू.पी. में लागू कर लेगी भाजपा।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवम्बर। 20 नवंबर को नीतीश कुमार की नई कैबिनेट के शपथ लेने के बाद यह साफ़ होता जा रहा है कि (जदयू) नेता और भाजपा, दोनों ने अपनी राजनीतिक रणनीति सिर्फ़ बिहार के लिए नहीं, बल्कि पड़ोस के बड़े चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश के लिए भी बहुत सोच-समझकर बनाई है। यूपी विधानसभा चुनाव अब सिर्फ़ 15 महीने दूर हैं और इन चुनावों ने भाजपा की दीर्घ अवधि की योजना को अभी से नया आकार देना शुरू कर दिया है।

पिछले एक साल से भाजपा ने अपने ज़्यादातर राजनीतिक संसाधन बिहार पर लगाए हुए थे और पार्टी, जरुरत पड़ने पर, अकेले लड़ने की स्थिति के लिए भी पूरी तरह तैयार थी। इसके साथ ही, पार्टी नेतृत्व को पूरा भरोसा था कि केन्द्र में मोदी सरकार से लगातार मिल रहे सहयोग को देखते हुए नीतीश कुमार अचानक अपनी राजनीतिक दिशा नहीं बदलेंगे।

एक अहम कदम उठाते हुये, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रचार अभियान के दौरान बिहार की जातीय गणित को करीब से देखने की ज़िम्मेदारी दी। बताया जाता है कि मौर्य, जो कुर्मी समुदाय के काफ़ी प्रभावशाली नेता माने जाते हैं, को लगभग 75 सीटों की निगरानी की ज़िम्मेदारी दी गई थी, जहाँ वे वोटर व्यवहार और ओबीसी मतदाताओं की चुनावी गतिविधियों और तौर -तरीकों की मॉनिटरिंग कर सकें।

उनकी तैनाती रणनीतिक थीः कुर्मी समुदाय, जो बिहार के ओबीसी वोटों का लगभग 9 से 10 प्रतिशत हिस्सा है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

थरूर ने अपनी पुस्तकों में मोदी की काफी आलोचना की है

किताबों के अनुसार, मोदी ने प्रजातंत्रीय ढाँचे को कमज़ोर किया है व देश की इकॉनमी को हानि पहुँचा रहे हैं

- पर, हाल ही में उन्होंने मोदी को बधाई दी, उनके इकोनॉमिक सोच व सांस्कृतिक सामंजस्य बैठाने के लिए।
- पर, इस खुली प्रशंसा के बावजूद कांग्रेस थरूर पर अंकुश क्यों नहीं लगा पा रही, क्या थरूर केरल में कांग्रेस को सैंटर "राईट" जगह बनाने में मदद कर रहे हैं, अपने उद्‌गारों से।
- या कांग्रेस केरल में चुनाव के पहले पार्टी में कुछ उथल-पुथल नहीं होने देना चाहती, थरूर को निष्कासित करके।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया भाषण की प्रशंसा करने के बाद, कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया है, खासकर केरल में, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। लेकिन असली सवाल यह हैः कांग्रेस नेतृत्व थरूर पर कार्रवाई क्यों नहीं कर पा रहा है? क्या इसकी वजह यह है कि थरूर केरल की राजनीति में कांग्रेस की सेंटर-राइट स्पेस को बनाए रखने में मदद करते हैं? या फिर कांग्रेस उच्च नेतृत्व ऐसे समय में राज्य इकाई में खलबली नहीं मचाना चाहता, जब विधानसभा चुनाव ज्यादा दूर नहीं हैं।

थरूर की हालिया टिप्पणियाँ दिलचस्प विरोधाभास दिखाती हैं। अपनी किताबों में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला किया है, लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमज़ोर करने का आरोप लगाया, अर्थव्यवस्था को बर्बाद करने की बात कही, और उन पर स्वयं को बढ़ावा देने का भी आरोप लगाया। लेकिन कई मौकों पर उन्होंने प्रधानमंत्री की प्रशंसा भी की है, जैसे विरासत संरक्षण और वैश्विक प्रतिष्ठा के मामले में। कुछ समय पहले उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा की भी तारीफ की थी।

थरूर ने राजनीति में "नैपो किड कल्चर" की आलोचना करके पार्टी के समर्पित नेताओं को भी नाराज़ कर दिया है, जिसे गांधी परिवार पर परोक्ष हमले के रूप में देखा गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'पढ़े लिखे बुद्धिजीवी आतंकी ज्यादा खतरनाक होते हैं'

नई दिल्ली, 20 नवंबर। दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में आज 2020 के उत्तर-पूर्व दिल्ली दंगों को देश की आजादी पर हमला और सरकार बदलने की सोची-समझी साजिश करार दिया और उमर खालिद, शरजील इमाम समेत, कई एक्टिविस्ट्स की जमानत याचिकाओं का गुरुवार को कड़ा विरोध

- दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में 2020 के दिल्ली दंगों के साजिशकर्ता की जमानत याचिका का विरोध किया।

किया। दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास हुए धमाके का हवाला देते हुए कहा कि जब पढ़े-लिखे बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं, तो वे जमीनी कार्यकर्ताओं से कहीं ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लैपर्ड ने सिविल लाइंस में हड़कंप मचाया

गुरुवार की सुबह 9 बजे लैपर्ड मंत्री सुरेश रावत के घर व टाइनी ब्लॉसम्स स्कूल में घुसा

जयपुर, 20 नवम्बर। राजधानी के वीवीआईपी इलाके में गुरुवार सुबह लैपर्ड के आ जाने की सूचना पर हड़कंप मच गया, जिसके बाद जयपुर के पॉश इलाके में रहने वाले स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल बन गया। लैपर्ड आने की जानकारी लोगों को सुबह 9 बजे मिली। इसके बाद स्थानीय लोगों ने मोबाइल के जरिए एक दूसरे को इस घटना की जानकारी दी और स्थानीय लोग अपने-अपने घरों की खिड़कियां और दरवाजे बंद कर अंदर ही दुबके रहे। वहाँ स्थित स्कूलों में डर के चलते स्कूल प्रशासन ने छोटे-छोटे बच्चों को क्लास रुम में बंद कर दिया। लैपर्ड सुबह करीब 9 बजे सबसे पहले लेन नंबर 6 पर बने एक घर में घुसा और कुछ देर घूमने के बाद दीवार फांद कर जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत के सरकारी बंगले में देखा गया। इसके कुछ देर बाद चहलकदमी करते हुये, लैपर्ड टाइनी ब्लॉसम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में घुस गया। ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से बच्चों को क्लासरूम में बंद कर दिया गया।

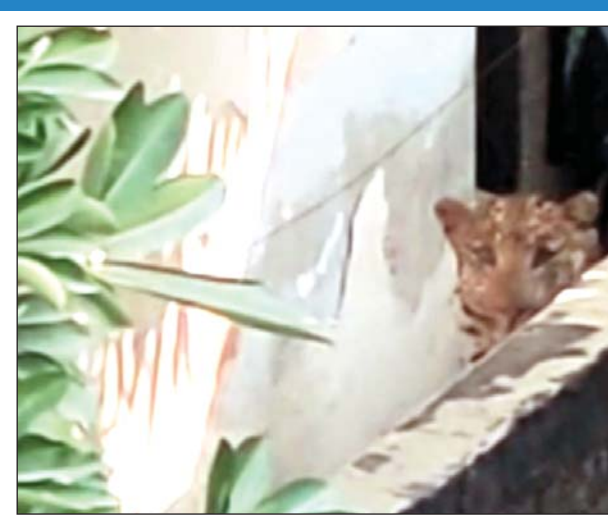

जयपुर के वीवीआईपी इलाके सिविल लाइंस में गुरुवार को घुसा लैपर्ड बंगलों की दीवार के पीछे छुपता रहा।

लैपर्ड इलाके के एक से दूसरे घर में दीवार फांदकर मूवमेंट करता रहा।

वीवीआईपी इलाके में लैपर्ड घुसने की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। लेकिन वन विभाग की कार्रवाई के दौरान ऐसा लगा, जैसे वो इस कार्यवाही का आदी हो और बार-बार वन विभाग की टीम को गच्चा देकर अपनी जगह बदलता रहा। लेकिन वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद 11 बजे सिविल लाइंस की लेन - 6 से लेपर्ड को ट्रेंकुलाइज कर लिया, जिसके बाद उसे झालाना रिजर्व ले जाया गया।

- स्कूल प्रशासन ने छोटे बच्चों को क्लास रूम में बंद कर दिया। दो घंटे की मशक्कत के बाद वन विभाग की टीम लैपर्ड को ट्रेंकुलाइज़ कर पाई।

बताया जा रहा है कि वीवीआईपी इलाके सिविल लाइंस में राजभवन, सीएम आवास समेत, कई मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों के सरकारी आवास हैं, जहां लेपर्ड की सूचना से हड़कम्प मचा रहा। दो घंटे बाद लेपर्ड को रेस्क्यू किए जाने की सूचना के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली।

पंजाब पुलिस ने लुधियाना में दो आतंकियों का एनकाउंटर किया

लुधियाना, 20 नवंबर। लुधियाना में पंजाब पुलिस ने दो आतंकियों का एनकाउंटर किया है, दोनों आतंकियों के तार आतंकी ग्रुप से जुड़े हुए हैं, जो पाकिस्तानी आतंकी मॉड्यूल का है।पुलिस कमिश्नर ने बताया कि इन

- दोनों संदिग्ध लोग हैंड ग्रेनेड तय शुदा जगह फेंकने की फिराक में थे।

दोनों संदिग्ध लोगों को हैंड ग्रेनेड इकट्ठा करके तयशुदा जगहों पर फेंकने का काम सौंपा गया था। पुलिस ने समय रहते इन्हें धर दबोचा है। पुलिस ने मौके से हैंड ग्रेनेड, कुछ पिस्तौल और कारतूस भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, एनकाउंटर की ये घटना लुधियाना शहर से बाहर लाडोवाल टोल प्लाजा के पास हुई। अगर पकड़े ना जाते तो ये दोनों आतंकी किसी बड़ी घटना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डॉ. उमर उन नबी धुरी थे उस वाइट कॉलर नेटवर्क के जिसने दिल्ली के आतंकवादी हादसे को अंजाम दिया था

डॉ. उमर के सहपाठी उन्हें शांत स्वभाव का पठनशील व्यक्ति ही मानते रहे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 20 नवंबर। लाल किले के पास हुए विनाशकारी कार विस्फोट की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, एक नाम इसके केन्द्र में उभरकर सामने आया हैः डॉ. उमर उन-नबी (कुछ रिपोर्टों में उमर मोहम्मद), एक कश्मीरी डॉक्टर, जिन पर अब भारतीय एजेंसियों ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े एक सॉफिस्टिकेटेड "वाइट-कॉलर" आतंकी मॉड्यूल का प्रमुख ऑपरेटिव होने का आरोप लगाया है।

सुरक्षा एजेंसियों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लाल किले के पास जिस हुन्डई आई-20 कार में धमाका हुआ, उसे उमर ही चला रहे थे। जांचकर्ता इस घटना को किसी हादसे की तरह नहीं, बल्कि कार से किए गए सुसाइड अटैक की तरह देख रहे हैं। फोरेंसिक और डीएनए टीमें मलबे से मिले अवशेषों की पहचान की पुष्टि में लगी हैं।

डॉ. उमर दक्षिण कश्मीर के पुलवामा ज़िले के कोइल गांव के रहने वाले हैं, जहां सुरक्षा बलों ने जांच के सिलसिले में उनका घर गिरा दिया। कई मीडिया स्रोतों के मुताबिक, उनका जन्म 24 फरवरी 1989 को हुआ था। वे उस पीढ़ी के पढ़े-लिखे कश्मीरियों में आते

- उन्होंने पाकिस्तान में अपने हैंडलर से बम बनाने की प्रक्रिया सीखी तथा फरीदाबाद के मकान में उसका एक्सपैरीमैंट करते रहे।
- उमर के व्यक्तित्व का बहुत बारीकी से अध्ययन हो रहा है, यह जानने के लिए कि कैसे आतंकवादी विचारधारा डॉक्टरों के पढ़े लिखे दिमाग में स्थान बना रही है।
- जाँच एजेंसियाँ इस पूरे प्रकरण का वॉटर टाइट केस बनाने में तो जुटी हैं ही, पर, उनके समक्ष एक चुनौती यह भी है कि कैसे ऐसे मॉड्यूल्स को पहचानें और पनपने से पहले ही रोक लें।

हैं, जिनकी प्रोफेशनल पहचान अब उन पर लगे गंभीर आरोपों के बिल्कुल विपरीत है।

उनका डॉक्टर बनने का सफर जम्मू-कश्मीर से शुरू हुआ, जहां उन्होंने एम.बी.बी.एस. किया और फिर श्रीनगर के गवर्नमेंट मैडिकल कॉलेज से एम.डी. किया। उन्होंने अनंतनाग में सीनियर रेजिडेंट के रूप में काम किया और बाद में फरीदाबाद में अल-फलाह मैडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर शामिल हुए। फरीदाबाद में वे कॉलेज के पास एक साधारण किराए के कमरे में रहते थे, जिन्हें जानने वाले शांत और पढ़ने-लिखने में लगे रहने वाला व्यक्ति बताते हैं। अधिकारियों के अनुसार, उमर अकेले काम नहीं कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि वे डॉक्टरों, छात्रों और स्टाफ का एक ऐसा मॉड्यूल चला रहे थे, जो कथित तौर पर कट्टरपंथी था और जैश ए मोहम्मद (ऐ.ई.एम.) से जुड़ा हुआ था। नेटवर्क से जुड़े अन्य नामों में डॉ. अदील अहमद राथर और डॉ. मुजम्मिल शाकिल शामिल हैं, जो दोनों कश्मीर के ही रहने वाले हैं।

जांच एजेंसियों का कहना है कि उमर ने फरीदाबाद में अपने कमरे में एक गुप्त लैब बनाई हुई थी, जहां वे विस्फोटकों पर प्रयोग करते थे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, वे पाकिस्तान में बैठे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने 26 मंत्रियों के साथ शपथ ली

पटना, 20 नवंबर। बिहार के मुख्मयंत्री नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों के साथ गुरूवार को ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में शपथ ली, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 14, जनता दल यूनाईटेड

- इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, लोकजनशक्ति पार्टी के 2 तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा व हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के एक-एक मंत्री थे।

(जदयू) के आठ,लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के दो और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) तथा हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के एक-एक मंत्री शामिल हैं।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जे. पी.

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)